Dainik Bhaskar

मोटर इंश्योरेंस • दो साल स्थिर रहने के बाद कंपनियों ने शुरू की आय बढ़ाने की कवायद

इस साल 5 से 10 फीसदी तक महंगा हो सकता है आपकी गाड़ी का इंश्योरेंस

- थर्ड पार्टी इंश्योरेंस की नॉन-लाइफ इंश्योरेंस बिजनेस में 25% हिस्सेदारी है
- 2021 में कंपनियों ने 40 हजार करोड़ का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कलेक्ट किया था
- बीते साल डीग्रोथ के बाद इंश्योरेंस सेक्टर में 12-14% ग्रोथ की उम्मीद है

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

बीते दो वर्षों से मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन इस साल इसमें 5-10% तक बढ़ोतरी हो सकती है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, देश की 25 जनरल इंश्योरेंस कंपनियों ने बीमा नियामक इरडा को थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम में 15-20% बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है।

इंश्योरेंस कंपनियों का तर्क है कि कोरोना के कारण उनको बहुत नुकसान हो रहा है। वाहनों की कम बिक्री और कम चलने की वजह से मोटर इंश्योरेंस का प्रतिशत घटा है। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर (रिटेल सेल्स) आदित्य शर्मा ने दैनिक भास्कर से बातचीत

में कहा कि कोरोना की वजह से वाहनों की बिक्री घट गई है। इसके कारण बीते वित्त वर्ष मोटर इंश्योरेंस इंडस्ट्री को 1.7% डी-ग्रोथ का सामना करना पड़ा था। हालांकि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में मोटर इंश्योरेंस में 3.9% की वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन कोविड पूर्व की तुलना में यह अब भी 5.1% कम है। इसके अलावा, थर्ड पार्टी इंश्योरेंस क्लेम में भी बढ़ोतरी हुई है। कुछ कंपनियों की सॉल्वेंसी उनकी प्रस्तावित सीमा से ज्यादा हो गई है। इससे भी कंपनियों पर थर्ड पार्टी इंशयोरेंस का प्रीमियम बढ़ाने का दबाव है। इरडा ने भी इस साल थर्ड पार्टी प्रीमियम बढ़ाने के संकेत दिए हैं।

केयर रेटिंग्स के मोटर इंश्योरेंस एक्सपर्ट सौरभ भालेराव कहते हैं, आमतौर पर हर साल मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम में बदलाव किया जाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों से मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम नहीं बढ़ा। इंश्योरेंस कंपनियों की ओर से इरडा पर प्रीमियम बढ़ाने का दबाव है। हालांकि अभी ये तय नहीं है कि प्रीमियम कितना और कब बढ़ेगा। वित्त वर्ष 2022-23 की शुरुआत से यह बढ़ोतरी हो सकती है।

इस साल टीपी प्रीमियम बढ़ने की पूरी संभावना

इरडा हर साल क्लेम रेश्यो के आधार पर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कवर और प्रीमियम की समीक्षा करता है। इसी आधार पर जनरल इंश्योरेंस कंपनियां प्रीमियम बढ़ाने का प्रस्ताव कर सकती हैं। इस हिसाब से प्रीमियम 10-15% बढ़ने की संभावना है। कमर्शियल वाहनों पर इसका ज्यादा असर होगा।

- सुशील जैन, सीईओ, पॉलिसीएक्सपर्ट डॉट इन